प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय में देश का ७०वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पंतनगर। 27 जनवरी 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय में देश का 70वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने प्रातः 9:32 बजे गांधी मैदान में तिरंगा फहराया तथा उपस्थित शिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को देश की एकता व बंधुता को बनाये रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने असंख्य शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया जिनके बलिदानों की नींव पर हमारा भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है। कुलपति ने भारत मां के उन सुयोग्य संतानों का भी स्मरण दिलाया जिनके त्याग एवं देशभक्ति के अटूट भाव से भयभीत होकर अंग्रेजों को देश छोड़ना पड़ा। उन्होंने इस अवसर पर सभी परिसरवासियों का विश्वविद्यालय को एकता, आपसी सदभाव, मेहनत तथा जिम्मेदारी से और अधिक ऊंचाईयों पर ले जाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डा. प्रताप ने उत्तराखण्ड की तीन विभूतियों को विभिन्न पदकों से सम्मानित होने पर गर्व व्यक्त किया जिनमें पदम भूषण प्राप्त बछेन्द्री पाल तथा पदमश्री प्राप्त अनूप शाह एवं प्रीतम भर्तवान का उल्लेख किया। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं प्रगति के बारे में अवगत कराते हुए उन्होंने बताया कि कृषि महाविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विभाग में खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला स्थापित की गयी है, जिसमें खाद्य पदार्थों के 32 प्रकार के विश्लेषण किये जा सकते है। कीट विज्ञान विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परियोजना का यूनिवर्सिटी ऑफ रिडिंग, ब्रिटेन के साथ अनुबंध किये जाने के बारे में भी उन्होंने बताया। विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रतियोगिता परीक्षाओं यथा, आई.सी.ए.आर.-जे.आर.एफ. परीक्षा, एस.आर.एफ. परीक्षा, आई.सी.ए.आर.-नेट की परीक्षा इत्यादि में सफलता प्राप्त करने के लिए उन्होंने बधाई दी, साथ ही विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सम्मेलनों, संगोष्ठियों इत्यादि में पुरस्कार प्राप्त करने पर भी उन्होंने बधाई दी। डा. तेज प्रताप ने बताया कि विभिन्न 13 प्रतिष्ठित फर्मों द्वारा प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के 96 छात्रों का चयन किया गया है तथा कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय में 08 कम्पनियों द्वारा लगभग सभी विद्यार्थियों का भी कैम्पस प्लेसमेंट के तहत चयन किया गया है। वर्ष 2018 में पंतनगर के 197 विद्यार्थी एयर एन.सी.सी. में प्रवेश प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय के 600 स्नातक स्तर के, 325 स्नातकोत्तर स्तर के एवं 300 पी.एचडी. स्तर के विद्यार्थी रू. 4.00 करोड़ की स्कालरशिप से लाभान्वित हो रहे हैं। कुलपति ने शैक्षणिक कुक्कुट फार्म द्वारा दो प्रजातियां उत्तरा एवं कड़कनाथ का संरक्षण एवं संवर्धन किये जाने के बारे में बताया, जिनकी उत्तराखण्ड के अलावा अन्य राज्यों में भी मांग के अनुरूप आपूर्ति की जा रही है। विश्वविद्यालय की उन्नत मत्स्य प्रजाति जयंती रोहू के 75 लाख स्पॉन उत्पादित कर उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के मत्स्य पालकों को मत्स्य बीज की आपूर्ति किये जाने की भी उन्होंने अपने उद्बोधन में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का अति विशिष्ट विशेषज्ञों जिनमें एन.आई.टी., दिल्ली के डा. ए.के. प्रतिहार एवं प्रो. प्रवीन कुमार तथा एटको इलेक्ट्रिक कम्पनी, एडमोण्टन, कनाडा, के इंजीनियर संजय कुमार, द्वारा भ्रमण किया गया व व्याख्यान दिया गया। प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, डा. धीरज कुमार, को उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए जैन इरिगेशन पदक से महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, उदयपुर में सम्मानित किये जाने पर भी उन्होंने बधाई दी। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रकाशन निदेशालय द्वारा अभी तक 227 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है, जिनमें 21 पुस्तकों को डा. राजेन्द्र प्रसाद पुरस्कार, एक पुस्तक को इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार एवं तीन पुस्तकों को शिक्षा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। विश्वविद्यालय फार्म में वर्ष 2018 में धान का 5610 कुन्तल, उर्द का 256 कुन्तल एवं सोयाबीन का 29 कुन्तल उत्पादन होने की भी जानकारी कुलपति द्वारा दी गयी, साथ ही विश्वविद्यालय फार्म की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने हेतु फार्म पर यूकेलिप्टस के 50,000 पेड़ लगाये जाने

के बारे में भी उन्होंने बताया। डा. तेज प्रताप ने वर्तमान में विश्वविद्यालय में 472 शोध परियोजनाएं चलाये जाने तथा विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों, सब्जियों, फलों, फूलों की 283 उन्नतशील प्रजातियां विकसित किये जाने की भी जानकारी दीं। उन्होंने यह भी बताया कि विगत 6 माह में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के 319 शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं तथा पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र राज्य के सभी जिलों में किसानों को बीज, शोध एवं तकनीकी हस्तांतरण कर उनकी कृषि की आय दुगनी करने में सहयोग प्रदान कर रहे है।

डा. प्रताप ने अन्य सभी इकाइयों द्वारा भी विश्वविद्यालय हित में सराहनीय कार्य करने के लिए बधाई दी एवं भविष्य में भी सार्थक सहयोग की अपेक्षा की। 'जय हिन्द' के तीन बार उद्घोष, जिसे उपस्थित जनों ने दोहराया, के साथ कुलपति ने अपने उद्बोधन का समापन किया।

पंतनगर विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते कुलपति, डा. तेज प्रताप।

पंतनगर विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य को सम्बोधित करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।